



आज बुकिंग, कल हैंडओवर

अब हर महीने रेंट बढ़ेगी !



— अजमेर रोड़, जयपुर —
बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट



कोठी

₹ 4700/ Sq Ft
से शुरू

वाक-अप अपार्टमेंट

₹ 4000/ Sq Ft
से शुरू

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.20 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000



विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

सुखायु और हितायु का वैज्ञानिक प्रमाण-आधार

आयुर्वेद में दीर्घायु का अर्थ सुखकारी व हितकारी आयु है, सिर्फ लम्बा जीना नहीं। दीर्घायु का तात्पर्य उस आरोग्य से है जिसके रहते हम जीवन में वह सब प्राप्त कर पाते हैं, जो प्राप्त करना चाहते हैं। जिस विद्या में सुखकारी आयु और हितकारी आयु तथा दुःखकारी और अहितकारी आयु का विचार हो तथा इन सबके उचित मानदण्डों का अध्ययन हो वह आयुर्वेद कहलाता है। स्वास्थ्य-रक्षण के द्वारा निरोगी बने रहना उपायोगी है, क्योंकि आरोग्य के बिना धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष कुछ नहीं मिल सकता। यदि व्यक्ति स्वस्थ नहीं है या बीमारियों को रोक नहीं पाये, तो ना तो वह अपनी मूल प्रकृति के अनुसार कुछ धारण कर सकता है, ना ही धन कमा सकता है, ना ही खाने-पीने, सोने या जीवन का कोई आनन्द ले सकता है, और ना ही शक्तिपूर्वक संसार से विदा हो सकता है। अतः भौतिकतावादी युग में भी स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

आयुर्वेद के 8 अंगों में काय-चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, शालाक्य, भूतविद्या (मनोचिकित्सा), कौमारभृत्य, अगदतंत्र, रसायन तथा वाजीकरण है। आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्यों में प्रथम स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा है और दूसरा आतुर या बीमार के विकारों का प्रशमन या बीमारियों को चिकित्सा है। यहाँ स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में कुछ मूल सिद्धान्त, दर्शन या विवेचन हैं। इस चर्चा का महत्व यह है कि संहिताओं, वैज्ञानिक अध्ययनों, और अनुभवजन्य ज्ञान से प्राप्त प्रमाण हमें इस बात से आश्चस्त करने के लिये उपयोगी रहेंगे कि वर्तमान जनजीवन को स्वस्थ रखने के लिये संहिताओं, साईंस, तथा अनुभवजन्य-ज्ञान में प्रमाण-आधार सुदृढ़ है।

जहाँ तक सिद्धान्तों की समताता का प्रश्न है, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण एवं चिकित्सा से जुड़े मूल सिद्धान्तों और निर्देशों की संख्या बहुत अधिक है। तर्भाषि, कुछ सिद्धान्त और निर्देश जो स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा के संदर्भ में प्रत्यक्ष रूप से लागू होते हैं, उनमें से कुछ प्रमुख हैं:– 1. सामान्य-विशेष, 2. गुण-कर्म, 3, त्रिदंड, 4. त्रिविध-हेतु, 5. त्रिदोष, 6. षड्स, 7. पंचकर्म, 8. आहार मात्रा, 9. हिताहितसंजननक्रम, 10. आदान-विशर्ग, 11. स्वस्थवृत्, 12-धातुणीय-अधातुणीय वेग, 13. सद्ग्त, 14. अन्नपान-विधि, 15. धातु-पोषण, 16. आहार विधिविशेषाधयतन, 17. आहार विधिविधान, 18. त्रिविध कुक्षीय, 19. रसायन, 20. जनपदोद्देश आदि प्रमुख हैं। वस्तुतः इनमें से प्रत्येक के अंतर्गत, विचार-विमर्श में दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या सहित, अनेक विस्तृत विषय समाहित हैं जिन पर विस्तृत चर्चा आगे यथासमय होगी।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि आयुर्वेद की संहिताओं में उपरोक्त समस्त सिद्धान्तों का वर्णन तथा प्रयोग में लाये जाने की विधियाँ और उनकी उपयोगिता काविवेचन उपलब्ध है, परंतु आज समकालीन वैज्ञानिक युग में यह मानने का प्रमाण क्या है कि उक्त सलाह विज्ञान-सम्मत ही है। इस प्रश्न का उत्तर कई स्रोतों से दिया जा सकता है, जिनमें देश-विदेश के आयुर्वेदाचार्यों द्वारा की गई शोध से प्राप्त प्रमाण, आयुर्वेद का संदर्भ दिये बिना भी समान विषयों में विश्वभर में हुई शोध के निष्कर्षों का प्रमाण, और आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान शामिल है।

प्राचीन ग्रंथों के विपुल भण्डार की उपलब्धता के बावजूद आज हमें आधुनिक विज्ञान की ओर देखने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। दरअसल, वर्ष 2010 के अनुमान बताते हैं कि लगभग 15 लाख शोध-पत्र प्रति वर्ष विश्व की महत्वपूर्ण शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे थे। सभी प्रकार के जर्नलस को लें तो मैक्स प्लैंक सोसायटी और स्विस् फेडरल इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ज्यूरिच में कार्यरत वैज्ञानिक लुत्जबर्नमान के अनुमान बताते हैं कि ज्ञान में वृद्धि की दर इतनी है कि अब विश्व का साइंटिफिक आउटपुट हर 9 साल में दोगुना हो रहा है। वर्ष 1600 के मध्य से वर्ष 2012 तक ज्ञान के उत्पादन को तीन चरणों में देखा जा सकता है। प्रत्येक चरण में पिछले चरण की तुलना में ज्ञान उत्पादन में तीन गुना वृद्धि पायी गयी है। प्रथम चरण, 16वीं शताब्दी के मध्य से 18वीं शताब्दी के मध्य तक, ज्ञान उत्पादन में वृद्धि की दर लगभग एक प्रतिशत थी। उसके बाद दो विश्वयुद्धों के मध्यवर्ती काल में 2 से 3 प्रतिशत, तथा अंतिम विश्वयुद्ध के बाद से लेकर वर्ष 2012 तक यह वृद्धि दर 8 से 9 प्रतिशत रही।

आज विश्व के अनेक डाटाबेस जैसे स्कोपस, वेब ऑफ नॉलेज और गूगल स्कॉलर आदि में सभी विषयों के कुल 4 से 5 करोड़ शोध पत्रों का भण्डार है। आयुर्वेद में भी नये ज्ञान का उत्पादन हो रहा हैवर्ष 1923 से 2022 के दौरान प्रकाशित कुल 46,616 शोधपत्रों में कहीं न कहीं आयुर्वेद का उल्लेख हुआ है। इनमें से 12,906 शोधपत्र विशेषकर आयुर्वेद पर केंद्रित हैं। पिछले दो दशकों के दौरान भारत के कई दिग्गज वैज्ञानिकों और आयुर्वेदाचार्यों की शोध ने आयुर्वेद का प्रमाण-आधार बहुत मजबूत किया है। आयुर्वेदिक बायोलॉजी, आयुर्वेदिक जैमोमिक्स, समटा-पद्धति या होल-सिस्टम क्लिनिकल ट्रायल्स आदि में उपयोगी कार्य हुआ है।

यहाँ कुछ उदाहरण उपयोगी होंगे। स्कोपस डेटाबेस, जो शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित उच्च कोटि के शोधपत्रों का विश्व में सबसे बड़े डेटाबेस में से एक है, में अकेले शहद पर ही 250 से अधिक क्वीनिकल ट्रायल्स सहित विभिन्न पहलुओं पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शहद पर आयुर्वेद का कथन मधु श्लेष्मिपत्रप्रशमनानाम् (च.सू. 25.40) को देखने पर ज्ञात होता है कि मूलतः आयुर्वेद के इस द्रव्य पर आयुर्वेद के सन्दर्भ सहित 122शोधपत्र हैं, जबकि विश्व भर में शहद पर 38,000 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से 2900 से अधिक शोधपत्र शहद के औषधीय गुणों पर, व 8,000 से अधिक भोजन के रूप में शहद की उपयोगिता सिद्ध करते हैं।

एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता की बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंद्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंद्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये।

हिपेटोप्रोटोटेक्टिव, कार्डियोप्रोटेक्टिव, एंटीइन्फ्लेमेटोरी, एंटीडायबिटीज, एवं इम्यूनोमोड्युलेटरी पाया है। वर्ष 2016 में विश्व-प्रसिद्ध शोध पत्रिका लैंसेट में 10 लाख से अधिक लोगों के संदर्भ में एकत्र आँकड़ों के आधार पर प्रकाशित एक मेटाएनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्रायः कुर्सी में बैठे-बैटे काम करने वाले लोग यदि रोजाना 60 से 75 मिनट व्यायाम करें तो उनके असमय मरने का जोखिम कम हो जाता है। बात यदि मोटापा प्रबंध के सन्दर्भ में की जाये, तो समुचित खापान के साथ ही सप्ताह में कम से कम 150 मिनट का व्यायाम लाभकारी है। मेटा-एनलिसिस के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि व्यायाम से प्रसन्नता मिलती है। एक अन्य मेटा-एनलिसिस के परिणाम बताते हैं कि हरियाली और जलाशयों के पास व्यायाम करने को प्रसन्न रखता है। वस्तुतः व्यायाम विदोषशामक है और इसके कारण विश्व में सालाना 3.9 मिलियन मौतें टल जाती हैं। एक अन्य मेटा-एनलिसिस से ज्ञात होता है कि प्राकृतिक वन और उपवन में व्यायाम न केवल मानसिक बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य भी प्रदान करता है। एक मेटा-एनलिसिस बिलकुल साफ़ कर देती है कि व्यायाम करना आवश्यक है भले ही तीव्रता कम या ज्यादा कुछ भी हो। रोचक बात यह है कि आयुर्वेद व्यायाम की तीव्रता का बात नहीं करता बल्कि व्यायाम की अनिवार्यता की बात करता है और बल के आधे तक प्रतिदिन व्यायाम करने की सलाह देता है। आयुर्वेद चलने (चंद्रमण) की भी सलाह देता है किन्तु चंद्रमण ऐसा हो जो अति-पीड़ादायक नहीं होना चाहिये। व्यायाम और चंद्रमण ना तो बलार्थ से अधिक हो और ना ही पीड़ादायक हो, अन्यथा हानिकारक होता है। आयुर्वेद और समकालीन विज्ञान यहाँ एक जैसी सलाह के समीप आते दृष्टिगोचर होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, उम्रदराज लोगों में पांच वर्ष तक चले क्लिनिकल ट्रायल में व्यायाम की 'तीव्रता' व 'मृत्यु-दर' के बीच सम्बन्ध नहीं मिला। इसलिये 'तीव्रता' के चक्कर में पड़ने के बजाय अपने बल के आधे तक व्यायाम करते रहिये। समय की बात करें तो 30 मिनट प्रतिदिन से कम व्यायाम नहीं रहना चाहिये। सप्ताह में व्यायाम करते समय अगर 120 मिनट गर्डेन, पार्क या हरियाली वाली जगह में बिताया जाये तो व्यायाम का मानसिक स्वास्थ्य पर घनात्मक प्रभाव और भी बेहतर रहता है।

तीन सूर जो दवाई की आवश्यकता कम कर देते हैं, उनमें कालभोजन, व्यायाम औरसत्वावजय प्रमुख है। कैलोरी व कदम गिाने की सनक आयुर्वेद का विषय नहीं। काल-भोजन और बलार्थ-व्यायाम कीजिये: ऊर्जस्प्रक्रमण नातिनिष्ठानास्ति आयुर्वेदविषयः। समाचरेत्काल भोजनंबलस्यार्थव्यायामश्च। मोटापा की समस्या देखें तो यह गोलियां खाने से नहीं छंटता। आचार्य चरक कहते हैं कि मोटापा छोटने के लिये भोजन की मात्रा घटाने से उत्तम और कुछ नहीं है। आचार्य सुश्रुत कहते हैं इस काम के लिए व्यायाम से बेहतर कुछ नहीं है। दोनों मिलकर तो मोटापा कम कर ही सकते हैं। बात साधारण है: हितकारी भोजन मात्रापूर्वक नियतकाल में दिन में केवल दो बार लीजिए और नित्य व्यायाम कीजिए। बस इस ज्ञान को काम से जोड़ने का पचड़ा है!

यही स्थिति सद्गु्त में समाहित विविध विषयों की है। शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 2 लाख शोधपत्र ऐसे हैं जहाँ मंगलकार्य, त्याग, उपहार, हवन, नियम, प्रायश्चित, उपवास, सस्वर पाठ, आध्यात्मिक लाक्षण, तीर्थाटन, क्षमा, दान आदि विषयों तथा इनका स्वास्थ्य रक्षण एवं रोगमुक्ति के संदर्भ में विश्लेषण है। योग के यम और नियम में भी सद्गु्त के ही विविध विषय समाहित हैं। इन पर 25,000से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या के रूप में समाहित विविध विषयों में पृथक पृथक शोध भी है। इनमें सबसे अधिक वैज्ञानिक शोध भोजन, भोजन द्रव्य, नस्य, पंचकर्म, मुख-स्वास्थ्य, कवल-गंडुष, अप्यंग, मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यायाम, पर्सनल-हाइजीन आदि पर उपलब्ध है। सारांश यह है कि भले ही शोध आयुर्वेद का नाम लेकर न की गई हो, लेकिन आहार स्वस्थवृत्, सद्गु्त, रसायन एवं पंचकर्म आदि में समाहित प्रयोगों एवं परिणामों को आधुनिक शोध के प्रकाश में देखने पर इस बात के निर्विवाद प्रमाण मिलते हैं कि आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा संभव है।

इस सब चर्चा का हमारे लिये महत्व क्या है? मुख्य रूप से संहिताओं, साईंस एवं आयुर्वेदाचार्यों का अनुभवजन्य ज्ञान निर्विवाद रूप से सिद्ध करता है कि यदि कोई व्यक्ति आज कैसर, डायबिटीज, हृदय रोग, मनोरोग या श्वसन तंत्र जैसी गैर-संचारी बीमारियों से पीडित नहीं है तो वह इन बीमारियों से आगे भी अपने आपको बचाये रख सकता है, बशर्ते आयुर्वेद की सलाह मानकर अपने जीवन में इस ज्ञान का उपयोग करें। हाँ, आयुर्वेद में स्वास्थ्य-रक्षण के सिद्धान्त और उन सिद्धान्तों का क्रियावन्धन योग्य आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से ही किया जाना चाहिये ताकि समुचित परिणाम प्राप्त हो सकें। आयुर्वेद में लगभग 300 प्रकार की सलाह केवल सद्गु्त में ही उपलब्ध हैं, और समकालीन वैज्ञानिक शोध में उन्ही विषयों पर 7 लाख से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध में उपलब्ध प्रमाणों के इस संक्षिप्त वर्णन, जो आयुर्वेद की समकालीन वैज्ञानिकता को दर्शित करता है, के बाद आगे यथासमय यहाँ प्रत्येक विषय पर पृथक-पृथक चर्चा तथा उपयोग-योग्य ज्ञान प्रस्तुत किया जाता रहेगा होगा।

–अतिथि सम्पादक, डॉ. दीप नारायण पाण्डेय (इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर) (यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)



सीए अंशुल चित्तौड़ा

केंद्र सरकार का बजट आगामी माह में पेश किया जाने वाला है। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, आगामी केंद्रीय बजट 2026 से देश के करदाताओं और उद्योगों को भारी उम्मीदें हैं। कराधान एवं कॉर्पोरेट मामलों के विशेषज्ञ सीए अंशुल

चित्तौड़ा अनुसार वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के समक्ष राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखते हुए विकास की गति को तेज करने की दोहरी चुनौती है। यह बजट केवल वित्तीय आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि नए आयकर अधिनियम 2025 के माध्यम से एक पारदर्शी और सुगम कर प्रणाली को नाँव रखने का अवसर है।

1. आयकर अधिनियम 2025 का सुगम क्रियान्वयन: – सीए अंशुल चित्तौड़ा के अनुसार, नए आयकर कानून के लागू होने के साथ ही करदाताओं के लिए सबसे बड़ी ख़रूरत निश्चिन्ता की है। पुरानी टैक्स व्यवस्था अब जटिलताओं और विवादों का कारण बन रही है। ऐसे में सरकार द्वारा पुरानी व्यवस्था के लिए एक सनसेट डेट (अंतिम तिथि) घोषित करना और नई व्यवस्था को अधिक आकर्षक बनाना एक तार्किक कदम

होगा। इससे न केवल मुकदमों में कमी आएगी, बल्कि कर प्रशासन में भी सुगमता होगी।

2. पार्टनरशिप फर्म और एलएलपीएस के लिए कर समानता : –वर्तमान टैक्स ढाँचे में एक बड़ी विसंगति यह है कि जहाँ घरेलू कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत से 22 प्रतिशत की रियायती दरें मौजूद हैं, वहीं पार्टनरशिप फर्म और एलएलपी आज भी 30 प्रतिशत की फ्लैट दर से कर दे रहे हैं। यह असमानता छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमियों (एमएसएमएस) पर भारी वित्तीय बोझ डालती है। बजट 2026 में इन संस्थाओं के लिए भी रियायती कर व्यवस्था की घोषणा होगी चाहिए, ताकि उन्हें कॉर्पोरेट संस्थाओं के समकक्ष लाया जा सके।

3. मैयैयुफेक्चरिंग और एमएसएमएड को प्रोत्साहन : –मेक इन इंडिया को मजबूती देने के लिए नई मैयैयुफेक्चरिंग इकाइयों को मिलने

वाली 15 प्रतिशत की रियायती कॉर्पोरेट टैक्स दर की समय सीमा को बढ़ाकर मार्च 2027 करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, एमएसएमएड को भुगतान से संबंधित प्रावधानों (धारा 43) में उद्योग-वार व्यावहारिक लचीलापन देने की आवश्यकता है, ताकि व्यापारिक चक्र और गुणवत्ता संबंधी विवादों का समाधान सुचारु रूप से हो सके।

4. अनुसंधान (आरएनडी) और एआइ पर विशेष ध्यान: –भारत को वैश्विक एआई हब बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों के लिए विशेष टैक्स क्रेडिट या वेटेड डिडक्शन की वापसी होगी चाहिए। नवाचार पर निवेश करने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहन देने से न केवल रोजगार बढ़ेगा, बल्कि भारत संरक्षणवाद के दौर में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहेगा।

5. टीडीएस/टीसीएस और

सीमा शुल्क में सुधार:– वर्तमान में टीडीएस/टीसीएस की जटिल दरें व्यापार की कार्यशील पूँजी को बाधित करती हैं। इसे सरल बनाकर केवल 3 या 4 व्यापक श्रेणियों में सीमित करना चाहिए। साथ ही, सीमा शुल्क में जीएसटी की तर्ज पर सुधार और लंबित विवादों के लिए एक एमनेस्टी योजना व्यापारिक दक्षता को बढ़ाएगी। इससे लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी और घरेलू सामान वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

निष्कर्ष: –बजट 2026 का मूल मंत्र “न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन” और ‘विश्वास’ होना चाहिए। सीए अंशुल चित्तौड़ा का मानना ​​है कि यदि सरकार इन संरचनात्मक सुधारों को अपनाती है, तो यह न केवल ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस बढ़ाएगा, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को एक नई गति प्रदान करेगा।

–सीए अंशुल चित्तौड़ा

‘कृष्णा लिम्ब’ और बीकानेर के सपूत डॉ. तपेश माथुर की सेवा-साधना

डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु-पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया



हेमन्त चंडीदान उज्जवल

समाज में कभी-कभी ऐसे व्यक्तित्व जन्म लेते हैं, जिनके लिए विज्ञान केवल ज्ञान नहीं, बल्कि करुणा

का माध्यम बन जाता है। ऐसे ही एक नाम हैं डॉ. तपेश माथुर, जिन्होंने पशु-पक्षियों की मूक पीड़ा को समझकर उसे केवल महसूस ही नहीं किया, बल्कि विज्ञान की सहायता से उसका समाधान भी प्रस्तुत किया। उनके जीवन और कार्यों का सबसे उज्ज्वल प्रतीक है – ‘कृष्णा लिम्ब’।

‘कृष्णा लिम्ब’ कोई साधारण कुत्रिम अंग नहीं, बल्कि उस संवेदना का प्रतिरूप है, जिसने विकलांग पशुओं को फिर से चलना सिखाया। यह भारत में पशुओं पर किया गया पहला सफल प्रोस्थेटिक प्रयोग माना जाता है। जिन गायों और पालतू पशुओं के लिए जीवन ठहर-सा गया था, उन्हें ‘कृष्णा लिम्ब’ ने नई गति दी, नई आशा दी।

जो चल नहीं सकते थे,



उन्हें फिर राह मिल गई।

डॉ. तपेश माथुर का जन्म 16 जनवरी 1971 को बीकानेर में हुआ। उन्होंने राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर से बी.वी.एस.सी. एवं ए.एच. की उपाधि प्राप्त की। बोते 27 वर्षों से अधिक समय से वे ठाणीम एवं शहरी पशु चिकित्सालयों में सेवाएँ देते हुए पशु कल्याण को अपने जीवन का उद्देश्य बनाए हुए हैं। वर्तमान में वे राजस्थान सरकार के पशुपालन निदेशालय में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

परंतु उनका वास्तविक परिचय पदों से नहीं, बल्कि कृष्णा लिम्ब जैसी करुणा-प्रेरित खोजों से बनता है।

डॉ. माथुर ने जब पहली बार एक विकलांग गाय को असहाय अवस्था में देखा, तब उन्होंने यह महसूस किया कि चिकित्सा केवल दवाओं तक सीमित नहीं हो सकती। वहीं से ‘कृष्णा लिम्ब’ का विचार जन्मा-एक ऐसा कुत्रिम अंग जो ग्रामीण परिस्थितियों में भी उपयोगी हो, सस्ता हो, टिकाऊ हो और पशु के शरीर के अनुकूल हो। यह प्रयोग न केवल तकनीकी रूप से सफल रहा, बल्कि मानवीय दृष्टि से क्रांतिकारी सिद्ध हुआ।

यह नवाचार क्षेत्रीय स्तर पर सफल होने के बाद वैज्ञानिक और शैक्षणिक मंचों पर भी सराहा गया। ‘कृष्णा लिम्ब’ आज इस बात का उदाहरण है कि यदि विज्ञान को करुणा की दिशा मिले, तो वह केवल शोध नहीं, बल्कि जीवन रक्षक बन जाता है। **जहाँ शब्द मौन हो जाते हैं, वहीं करुणा उपचार बन जाती है।**

डॉ. तपेश माथुर की सेवा-साधना यहीं समाप्त नहीं होती। उन्होंने यूनिनोटोमी शल्य क्रियाओं में विशेष दक्षता प्राप्त कर गंधीर रूप से बीमार गायों के पेट से प्लास्टिक और अन्य बाहरी पदार्थ निकालने में उल्लेखनीय योगदान दिया। मात्र दो वर्षों में 350 से अधिक सफल ऑपरेशनों के माध्यम से उन्होंने न केवल सैकड़ों पशुओं की जान बचाई, बल्कि उनसे जुड़े अनेक पशुपालक परिवारों की आजीविका को भी सुरक्षित किया।

उनका मानना ​​है कि पशु चिकित्सा केवल इलाज नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ को मजबूत करने का कार्य भी है।



डॉ. माथुर ने राजस्थान राज्य गौ सेवा आयोग में सचिव के रूप में रहते हुए अनेक नवाचारी योजनाओं की शुरुआत की, जिससे आयोग को राष्ट्रीय पहचान और आत्मनिर्भरता मिली। वे राजस्थान सरकार की निःशुल्क पशु औषधि योजना के भी प्रमुख सूत्रधार रहे, जिससे लाखों पशुपालकों को सीधा लाभ पहुँचा।

पशुओं के साथ-साथ पक्षियों के प्रति भी उनकी संवेदना उत्तनी ही गहरी है। वे ‘सेव बड्स’ अभियान के प्रमुख संरक्षक हैं, जो घायल पक्षियों के उपचार, पर्रिंडे लगाने और जन-जागरूकता के माध्यम से सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करता है।

जो बोल नहीं सकते, उनके लिए बोलना ही सच्ची सेवा है।

डॉ. तपेश माथुर के कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है। उन्हें भारतीय पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा सोसायटी का स्वर्ण पदक (2014),

एम.आर. पटेल पुरस्कार (2015), वर्ल्ड वेटेरनरी एसोसिएशन का कांस्य पदक (2018-19) तथा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड (2020) सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

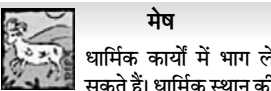
वर्ष 2024 में राजस्थान राज्य स्तरीय पुरस्कार उन्हें माननीय मुख्यमंत्री के कारकमलों से प्रदान किया गया। वर्ष 2025 में टाइम्स नाउ अमेज़िंग इंडियन अवार्ड से सम्मानित किया जाना उनके नवाचारी और मानवीय कार्यों की राष्ट्रीय स्वीकृति है। वे (भारत सरकार) के प्रथम पशु चिकित्सक सदस्य भी रहे हैं।

करुणा जो पद से बड़ी है डॉ. तपेश माथुर का जीवन यह सिद्ध करता है कि जब विज्ञान को संवेदना का मार्गदर्शन मिले, तब वह केवल तकनीक नहीं रहता-वह जीवन बन जाता है। ‘कृष्णा लिम्ब’ इसी सत्य का जीवंत उदाहरण है।

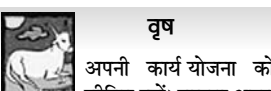
पद बदलते हैं, पर करुणा नहीं।

–हेमन्त चंडीदान उज्जवल,

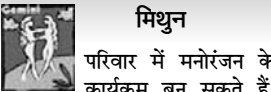
वाशिष्ठ लेखक



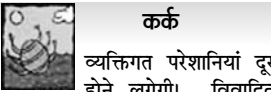
मेघ धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सरकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे।



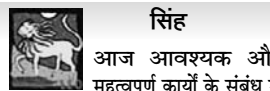
वृष अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।



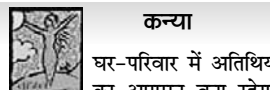
मिथुन परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।



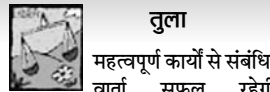
कर्क व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेंगी। विवादित मामलों से दूरी मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा।



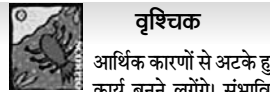
सिंह आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।



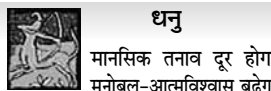
कन्या घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



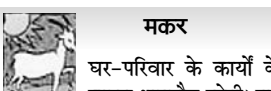
तुला महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित बातें सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।



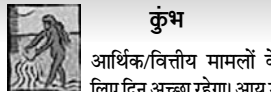
वृश्चिक आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित खोत से बच प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मनोरंजन होगा।



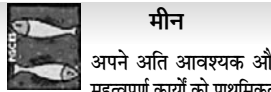
धनु मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



मकर घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।



कुंभ आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित खोत से बच प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।



मीन अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से कलने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्यों में रूचित सफलता मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।



मुम्बई में ‘‘रिज़ॉर्ट’’ राजनीति की वापसी

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में शिफ्ट किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 जनवरी। मुंबई में स्थानीय बीएमसी चुनावों के बाद अब राजनीतिक जोड़-तोड़ और रस्साकशी शुरू हो गई है। भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल शिंदे गुट की शिवसेना, जिसने 29 सीटें जीती हैं, अब अपनी ताकत दिखा रही है।

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में ठहरा दिया है और ‘‘रिसॉर्ट पॉलिटेक्स’’ एक बार फिर सक्रिय हो गई है। शिंदे, भाजपा का मेयर बनाने के बदले ‘‘मुँह-माँगी कीमत’’ वसूलना चाहते हैं।

रिर्काँर्ड के लिए बता दें कि शिंदे मेयर पद के लिए ढाई-ढाई साल के रोटेशन की मांग कर रहे हैं। हालाँकि सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस मांग को मानने वाली नहीं है।

लेकिन शिंदे को जो मिलने की संभावना है, वह है स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की कमान, जो कि मेयर पद के बाद, धन-संपन्न बीएमसी की सबसे ताकतवर समिति मानी जाती है।

आईसीसी के भारतीय अफसर को वीज़ा नहीं दिया बांग्लादेश ने

बांग्लादेश और आईसीसी के बीच टी-20 विश्व कप का विवाद गहराता जा रहा है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 17 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच चल रही उच्चस्तरीय वार्ताओं का ‘अंतिम दौर’ एक बड़ी लॉजिस्टिक समस्या के साथ शुरू हुआ। प्रस्तावित दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वीज़ा संबंधी जटिलताओं के कारण आधा रह गया। आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी एवं सुरक्षा प्रमुख एंड्रयू एफ़ग्रेव 17 जनवरी को अकेले ढाका पहुंचे, ताकि आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर बने गतिरोध पर बातचीत की जा सके। वहीं, आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता को समय पर वीज़ा न मिलने के कारण पीछे ही रुकना पड़ा।

इस दौरे को क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय शासी संस्था की ओर से एक अंतिम प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट पर मंडरा रहे कूटनीतिक और खेल संबंधी

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका, 17 जनवरी। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में शनिवार को एक हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी

- मृतक लिटन चंद्र घोष की मिठाई की दुकान थी और दुकान पर काम करने वाले लड़के को बचाने पर हमलावरों ने लिटन के सिर पर फावड़ा मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

गई। वह अपनी मिठाई की दुकान में काम करने वाले एक नाबालिग कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष उर्फ काली के रूप में हुई है। वह बैशाखी स्वीटटींग हॉट होटल (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा के 88 पार्षद जीते हैं, पर, बीएमसी में बहुमत पार करने के लिए 117 सीटों पर जीतना जरूरी है। अतः शिंदे ग्रुप द्वारा जीती गई 29 सीटें जरूरी हैं, भाजपा को अपना मेयर बनाने के लिए।
- इसलिए, शिंदे भाजपा से भारी सौदेबाजी करने के मूड में हैं।
- शिंदे का पहला प्रस्ताव है, पहले ढाई साल के लिए उसके नेता को मेयर बनाया चाहिए, जो आधे कार्यकाल के पश्चात मेयर पद छोड़ देगा, भाजपा के लिए।
- शिंदे जानते हैं कि इस प्रस्ताव पर भाजपा कभी राजी नहीं होगी। अतः ऐसा माना जा रहा है कि शिंदे को बीएमसी में स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष का पद दिया जाए। यह पद मेयर के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद माना बृहनमुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में।
- शिंदे का यह भी प्रस्ताव है कि यह बाल ठाकरे की विरासत है कि बीएमसी पर शिवसेना का मेयर ही होता है। अतः शिवसेना (शिंदे ग्रुप) को मेयर पद मिलना ही चाहिए।
- जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस को बीएमसी चुनाव में कुल चार प्रतिशत वोट मिले हैं, इतने कम वोट अब तक कांग्रेस के कभी नहीं मिले हैं। कांग्रेस का असंतुष्ट खेमा यह आरोप लगा रहा है कि इतने कम वोट मिलने का सबसे बड़ा कारण है, मुम्बई के प्रभारी द्वारा कांग्रेस के टिकट बेचना।

विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र में भाजपा का उभार कई राजनीतिक दलों के गलत फैसलों और सही समय पर सही गठबंधन न करने

का नतीजा है। उनका मानना है कि कांग्रेस को शिवसेना के साथ गठबंधन करना चाहिए था और मुंबई में टिकटों की बिक्री नहीं करनी चाहिए थी, जैसा

कि कांग्रेस के मुंबई प्रभारी ने किया। कांग्रेस को केवल 4 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो पार्टी का अब तक का सबसे कम वोट-प्रतिशत है।

इंडिगो पर 22 करोड़ रु. का जुर्माना

नयी दिल्ली, 17 जनवरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो संकट की उड़ानों में व्यवधान की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर उस पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, और एक अधिकारी को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। नियामक ने एयरलाइन के मुख्य

- दिसंबर के पहले सप्ताह में आए संकट के मसले पर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने यह जुर्माना लगाया और एयरलाइन के सी ई ओ को हटाने का भी निर्देश दिया।

कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को भी इस मामले में आगाह किया है।

गत 03 दिसंबर से 05 दिसंबर के बीच इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द रही थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। हालांकि बड़े पैमाने पर व्यवधान उसके बाद भी जारी रहा था, लेकिन डीजीसीए (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘प.बंगाल में मुम्बई जैसी जीत मिलेगी’

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में कहा कि भारत की जेन ज़ी भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा करती है। उन्होंने हाल ही में मुंबई में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत का हवाला देते हुए भरोसा जताया कि बंगाल के मतदाता भी इस बार भाजपा को चुनेंगे।

मालदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

- प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा की एक जनसभा में कहा कि पश्चिम बंगाल की युवा पीढ़ी को भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा है।

कि भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में रिकॉर्ड जीत हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस जीत की पुनरावृत्ति बंगाल में भी होगी।

बंगाल में राज्य विधानसभा चुनाव कुछ महीनों में होने वाले हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी की वापसी अच्छा संकेत नहीं है भारत के लिए

ईरान का राज परिवार अपने पाकिस्तान समर्थक रुख के लिए जाना जाता रहा है

- रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, 1941 से 1979 तक ईरान की सत्ता पर काबिज़ थे। उन्होंने पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंध विकसित किए थे तथा 1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान का समर्थन किया था और वे कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के पक्ष में थे।
- युवराज रज़ा पहलवी ने वॉशिंगटन में पत्रकारों से बात करते हुए न केवल लोकतांत्रिक सुधारों की बात कही बल्कि भारत के साथ अच्छे संबंधों का समर्थन किया और कहा, दोनों देशों के सैकड़ों सालों से नजदीकी संबंध रहे हैं।
- रज़ा पहलवी का आगमन भारत पर मिला जुला प्रभाव डाल सकता है, दोनों देश में तकनीकी व आर्थिक संबंध बेहतर हो सकते हैं, पर, अमेरिका समर्थित व पाकिस्तानी रुझान वाला ईरान भारत की मुश्किलें बढ़ा सकता और चाबहार पोर्ट तक भारत की पहुँच को प्रभावित कर सकता है।

हालांकि रज़ा पहलवी लोकतांत्रिक सुधारों और सहयोग का वादा करते हैं, लेकिन उनकी वापसी ईरान को फिर से कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थक रुख की ओर ले जा सकती है।

पहलवी ने कहा कि एक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्थिति में दिखीं, जिसे वे ठाकरे परिवार से छीनने जा रही हैं। ठाकरे परिवार 2022 तक लगातार कम से कम 25 वर्षों तक बीएमसी में मेयर पद पर काबिज रहा था।

कुल आंकड़ों पर नज़र डालें तो 227 सीटों वाली बीएमसी में 117 सीटें गठबंधन के खाते में जाती दिख रही हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 114 है, जो देखने में पर्याप्त लगता है, लेकिन कहानी में मोड़ भी आ सकता है।

आधी रात तक भाजपा 88 वाडों में जीत या बहुमत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन उद्भव ठाकरे की शिवसेना के साथ किसी असंभव गठजोड़ को छोड़ देने की स्थिति में, ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है, जिसमें भाजपा शिंदे की शिवसेना (जो 29 वाडों में आगे थी) के समर्थन के बिना निगम चला सके।

इस अंकगणित और ‘किंगमेकर’ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1941 से 1979 तक ईरान के अंतिम शाह थे, के शासनकाल में ईरानी राजशाही के पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक संबंध थे। ईरान पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए एक अहम बफर स्टेट मानता था।

शाह ने 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। उनके शासन में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के रुख का जोरदार समर्थन किया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को आक्रामक उद्घराया। यह रुख 1979 के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक के अपेक्षाकृत तटस्थ रुख से बिल्कुल अलग था।

हालांकि रज़ा पहलवी लोकतांत्रिक सुधारों और सहयोग का वादा करते हैं, लेकिन उनकी वापसी ईरान को फिर से कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थक रुख की ओर ले जा सकती है।

पहलवी ने कहा कि एक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बंदरगाह तक भारत की पहुंच को लेकर ऐतिहासिक रूप से, रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, जो

ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी सुरक्षा के लिए अजीबोगरीब अपील की

हालांकि, यह भी सच है, ममता बनर्जी ने यह अपील, संविधान की सुरक्षा की मांग के छद्म रूप में की

- ममता बनर्जी ने कोलकाता हाई कोर्ट की उत्तर बंगाल बेंच के लिए निर्मित न्यायालय भवन के उद्घाटन समारोह में अपने भाषण के दौरान यह मांग की।
- सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी इस समारोह में शरीक होने, दिल्ली से आए हुए थे तथा ममता बनर्जी की अपील को उन्होंने ध्यान से सुना।
- जैसा कि विदित ही है, ममता बनर्जी एक कंसलटेंट फर्म, आई-पैक के दफ्तर पर ईडी द्वारा की जा रही ‘‘रेड’’ के दौरान पुलिस के एक दस्ते के साथ वहां पहुंचकर कई सबूत की फाइलें, कागज़ात व कम्प्यूटरों आदि के अधिग्रहण कर अपने साथ ले गई थीं।
- उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराकर मांग की थी कि ईडी की रेड को स्थगित कराया जाए तथा निर्देश जारी किए जाएं कि स्थानीय पुलिस के खिलाफ ईडी द्वारा जारी एफआईआर पर भी कुछ आगे कार्यवाही न की जाए।
- सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की दोनों मांगों को अस्वीकार कर ममता बनर्जी व पुलिस के दस्ते को नोटिस जारी किये थे।

समारोह में शामिल होने आई थीं। वे अपनी सुरक्षा की अपील सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कर रही थीं, जो अन्य विधि विशेषज्ञों के साथ इस समारोह में उपस्थित थे। यह एक विचित्र स्थिति थी, जिसमें अभियुक्त और कथित अपराधी स्वयं अपनी जवाबदेही से बचने के लिए कानूनी संरक्षण मांग रहा था।

पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता स्थित कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के दफ्तरों में जांच करने को लेकर ईडी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। राज्य की मुख्यमंत्री ने खुद कोलकाता में फर्म के मुख्यालय पर चल रही जांच के दौरान वहां से फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर और मोबाइल फोन सहित, सारी महत्वपूर्ण सामग्री उठा ली थी।

ईडी करोड़ों रुपये के एक कोयला

घोटाले की जांच कर रही थी, जिसमें एक सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनी के लीज क्षेत्रों में अवैध खनन शामिल था। बाद में इस धन को हवाला चैनलों के जरिए भेजा गया। ईडी ने इन जांचों के लिए आवश्यक सामग्री को चोरी को

- इन्टेलिजेंस सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश तथा खालिस्तानी आतंकी समूह पंजाब के गैंगस्टर्स के सम्पर्क में हैं और कोई बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहते हैं। पंजाब के ये गैंगस्टर्स हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में सक्रिय हैं।

किया है। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क अलवर में विकसित किया जाएगा’

दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गिर के बब्बर शेर और सात अलग-अलग नस्लों के टाइगर अब

अलवर में देखने को मिलेंगे : वन मंत्री संजय शर्मा

- अगले एक साल में शहर के नजदीक कटी घाटी क्षेत्र में एनसीआर का सबसे बड़ा बायोलॉजिकल पार्क विकसित किया जाएगा : वन मंत्री**

- ‘केंद्र सरकार से मंजूरी मिली, अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा’**

- “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के दो वर्ष पूरे होने पर कटी घाटी स्थित नगर वन पहुंचे वन मंत्री**

शर्मा ने कहा कि इस बायोलॉजिकल पार्क में दक्षिण अफ्रीका के जिराफ, गुजरात के गिर क्षेत्र के बब्बर शेर, विभिन्न नस्लों के टाइगर सहित कई अन्य वन्यजीव देखने को मिलेंगे। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता को भी मजबूती मिलेगी। इसी पहाड़ी पर कुछ दिन पहले कांग्रेस के नेता अरावली बचाने की मांग करते हुए चढ़े थे। उसके बाद अब वन मंत्री भी उसी पहाड़ी पर पहुंचे हैं। अरावली क्षेत्र

को लेकर राजनीतिक बयानबाजी पर पलटवार करते हुए वन मंत्री ने कांग्रेस प्रदेशध्यक्ष गोविंद सिंह डोटारसा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये नेता अरावली बचाने की बात तो करते हैं, लेकिन खुद एक भी पौधा नहीं लगाते। हाल ही में कार्यकर्ताओं के साथ पहाड़ी पर चढ़कर सैकड़ों पौधे तोड़ने का आरोप भी लगाया।

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के

मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की

कोटय़तली, (निसं)। निकटवर्ती पनिया़ला थाना पुलिस ने बालू मिट्टी खनन कर ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में भरकर परिवहन करने पर कार्यवाही करते हुये बालू मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर–ट्रॉली ज़ब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिस्नोई ने बताया कि उच्चाधिकारियों द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत एएसपी नाज़िम अली के सुपरविजन व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के निदेशन में थानाधिकारी रणवीर सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर शुक्रवार 16 जनवरी को रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को कागज़ात के अभाव में धारा 207 एमवी एक्ट में ज़ब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि गत 16 जनवरी को हैड कानि. ओमप्रकाश ने मय जांबा अवैध खनन के विरुद्ध चैकिंग के दौरान रिवाला धाम के पास तन मलपुरा से दो मिट्टी से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉलियों को परिहवन करते हुये कागज़ात के अभाव में ज़ब्त की, जिनके चालान न्यायालय में प्रेषित किये जायेंगे।

उदयपुर में हाइवे पर दो कारों की भिड़ंत में चार जनों की मौत, छह घायल

उदयपुर के सविना थाना क्षैत्र के नैला तालाब के समीप हाइवे पर हुआ हादसा

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र नैला तालाब के समीप हाइवे पर दो कारों की आपस में भिड़ंत हो गई। हादसे में एक कार में सवार चार युवकों की मौत हो गई तथा दो युवक घायल हो गए, जबकि दूसरी कार में सवार चार जने घायल हो गए।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सवेरे शहर के नैला तालाब होते हुए हाइवे की तरफ जा रही कार की प्रतापनगर से अहमदाबाद की तरफ जा रही कार से भिड़ंत हो गई। एएसआई प्रीतमसिंह, हेड कांस्टेबल कृष्णलाल मय टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों कारों से सभी घायलों पलोदड़ा हाउस निवासी अयान पुत्र अब्दुल

- युवक का जन्मदिन होने से कार में साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहे थे जहां बीच रास्ते हादसा हो गया**

रहमान, गुलाम पुत्र गनी मो. नीजाम, वसीम पुत्र युसुफ निवासी खैरादीवाड़ा माणक चौक, मो. कैफ पुत्र मो. निजाम निवासी मुशींद नगर, आबिद कुरैशी पुत्र अब्दुल नदीम कुरैशी निवासी बरकत कॉलोनी, शेर मो. पुत्र फरीयाद खान निवासी बरकत कॉलोनी तथा दूसरी कार

में सवार जयवीर पुत्र राजवीर जाट निवासी रायगढ़ चूरू, महिपाल पुत्र बद्रीराम, राजबाला पत्नी महिपाल तथा राजेश पुत्र महिपाल को बाहर निकाल उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मो. आबिद, शेर मो., गुलाम, मो. अयान को मृत घोषित कर दिया तथा सभी छह घायलों को उपचार के लिए भर्ती करवाया। जिनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार सवेरे मो. अयान का जन्मदिन होने से वह कार में अपने साथियों के साथ शहर से हाइवे की तरफ चाय पीने जा रहा था, जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिये तथा मामले की जांच में जुटी है।

सड़क हादसे में महिला की मौत : उदयपुर शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र देवारी घाटावाली माता के समीप ट्रेलर ने बाइक को कुचल दिया। हादसे में महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सायं प्रतापनगर थाना क्षेत्र देवारी घाटावाली माता के सामने कट पर ट्रेलर ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में कारवली गंगला निवासी वर्दीबाई (34) पत्नी खेमराज पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर एएसआई तखतसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका को एमबी चिकित्सालय मोचरी में रखवा परिजनों को सूचना दी है। जिनके आने पर रविवार को पोस्टमार्टम होगा।

बिजली चोरी पकड़ने गई विजिलेंस टीम पर हमला, एईएन सहित चार कर्मचारी घायल

अलवर, (निसं)। अलवर के कटूमर में बिजली चोरी पकड़ने गई बिजली विभाग की विजिलेंस टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। कटूमर कस्बे में शनिवार सुबह सात बजे विजिलेंस की टीम पर बिजली चोरी कर रहे परिवार ने लाठी–डंडों और लात–धुंसों से हमला कर दिया। मारपीट में एईएन सहित चार कर्मचारी घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंची कटूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां लाइनमैन बच्चू सिंह बच्चू सिंह चौधरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनकी आंख के पास गंभीर चोट आने से खून बहना बंद नहीं हो रहा था, जिसके चलते प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं दूसरी ओर बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।



सूचना पर पहुंची कटूमर थाना पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

बिजली विभाग के कर्मचारी मोनू ने बताया कि शनिवार सुबह करीब सात बजे सूचना मिली थी कि पट्टी रमशान

घाट रास्ते पर स्थित मकान पर दो भाई हब्बू मीणा और झब्बू मीणा पास में जा रहे बिजली के पोल से बिजली चोरी कर

- कटूमर में बिजली चोरी कर रहे परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों और लात-धुंसों से टीम से मारपीट की, लाइनमैन की हालत गंभीर**

- बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है**

रहे हैं। सूचना पर विजिलेंस की टीम मौके पर पहुंची और बिजली चोरी पकड़ी। इस दौरान आरोपियों और उनके परिजनों को गुस्सा आ गया। आरोप है कि दोनों भाई हब्बू और झब्बू मीणा ने उनके बेटों सहित करीब पांच पुरुषों और तीन महिलाओं ने एक साथ मिलकर विजिलेंस की टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने लाठी–डंडों और लात–बूसों से उनकी जमकर मारपीट कर दी। हमले में विजिलेंस एईएन प्रमोद शर्मा, कर्मचारी राजकुमार, नरोत्तम यादव और लाइनमैन बच्चू सिंह चौधरी घायल

- कटूमर में बिजली चोरी कर रहे परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों और लात-धुंसों से टीम से मारपीट की, लाइनमैन की हालत गंभीर**

- बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है**

हो गए। वहीं बिजली विभाग की टीम की ओर से आरोपियों के खिलाफ राजकार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। लाइनमैन बच्चू सिंह के परिजन भूपेश शर्मा ने बताया कि उनके हाथ, पैर और पीठ पर गंभीर चोटें आई हैं और आंख के पास से लगातार खून बह रहा था, जिनको कटूमर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया गया, जहां इलाज जारी है।

हमला करने वाले परिवार के सदस्यों को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

भवानीमंडी में अवैध रूप से ड्रग्स बनाने की फैक्टरी पर छापा

- पुलिस ने लगभग दो किलो निर्मित एमडीएम के अलावा 130 लीटर केमिकल सहित ड्रग्स जब्त की हैं**

- बरामद सामानों की अनुमानित कीमत 25 करोड़ बताई जा रही है, यह कारखाना पशुओं के बाड़े की आड़ में चल रहा था**

- पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ एमडीएम निर्माण की कच्ची सामग्री एवं एमडीएम जब्त की**

रही है। यह कारखाना पशुओं के बाड़े की आड़ में एमडीएम पावडर निर्माण का अवैध गोरखधंधा चल रहा था। यह कार्यवाही पुलिस थाना भवानीमंडी व मिश्रोली की संयुक्त टीमों ने की है। अवैध मादक पदार्थ एम.डी.एम. के

निर्माण कारखाना में सलिल आरोपी गोपाल सिंह, दिनेश सिंह, नरेन्द्र सिंह फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने तीनों अभियुक्तों पर 25000-25000 रूपये इनाम घोषित किया है।

हथियार बरामदगी मामले में दो कांस्टेबल गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की

जिला डीएसटी पश्चिम ने कुड़ी स्थित सेक्टर 8 में शुक्रवार रात एक युवक से एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस जब्त किया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल सहित दो और युवकों को भी हिरासत में लिया गया। पिस्तौल सप्लाई में कांस्टेबल की भी संदिग्ध भूमिका आई है। पुलिस ने आज दो कांस्टेबल रामप्रकाश और भोमसिंह को गिरफ्तार कर लिया। अवैध हथियार प्रकरण में तीन लोग अब गिरफ्तार बताए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात में कुड़ी भगतसनी हाउसिंग बोर्ड में एक युवक अवैध हथियार लेकर घूम रहा था। इस सूचना पर डीएसटी पश्चिम

को सक्रिय किया गया। एसआई महेन्द्रसिंह की अगुवाई में पुलिस ने तलाश के बाद कैबीएचबी सेक्टर आठ के पास अशंलान खिलजी को पकड़ा। तलाशी लेने पर एक पिस्तौल व एक जिंदा कारतूस मिला। पूछताछ में सामने आया कि वह भोमसिंह से यह पिस्तौल लाया था। पुलिस ने तलाश के बाद उसे भी हिरासत में लिया गया। उससे पूछताछ में पुलिस लाइन में पदस्थापित एक कांस्टेबल को भूमिका सामने आई। आरोप है कि पिस्टल दिलाने में कांस्टेबल ने मध्यस्थता की थी। इस पर कांस्टेबल को भी हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि आज दो कांस्टेबल भोमसिंह एवं लाइन में तैनात रामप्रकाश को पकड़ा गया है।

1 0 लाख रुपए का एमडीएमए पाउडर जब्त , एक गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने ऑपरेशन विष् हरण के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 16.75 ग्राम एमडीएमए मौली पाउडर जब्त किया। इसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए बताई जा रही है। इस मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी डिटेल किया गया है।

पुलिस थाना कपासन की टीम ने बीती रात शनि महाराज से कपासन आने वाले मार्ग पर नाकाबंदी की थी। इसी

श्रीवास्तव और जिला पुलिस अधीक्षक चित्तीडगढ़ मनीष त्रिपाठी द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन विषहरण का हिस्सा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तीडगढ़ सरिता सिंह और वृताधिकारी वृत्त कपासन हरजीलाल के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई थी। कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में उपनिरीक्षक गोवर्धन सिंह, कॉन्स्टेबल कुंज बिहारी, देवीलाल, सुशील, राजेन्द्र और महेन्द्र सिंह शामिल थे।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार बीएलओ की मौत

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर–भिवाड़ी हाइवे पर बंबोरा हनुमान मंदिर कट के पास रोडवेज बस की टक्कर लगने से बाइक से ड्यूटी पर मुसाखेड़ा जा रहे चुनावी कार्य में लगे बीएलओ महेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। चार साल पहले पत्नी की मृत्यु हो चुकी है। महेश के दो बच्चे हैं जिनके ऊपर से अब मां के साथ पिता का साया भी उठ गया है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9:15 बजे 39 वर्षीय महेश कुमार पुत्र हरिसाद खाती अपनी बीएलओ और एसआईआर ड्यूटी के लिए मोटरसाइकिल से ग्राम मूसाखेड़ा जा रहे थे। जब वे बम्बोरा घाटा हनुमान मंदिर के सामने कट के पास पहुंचे, तभी अलवर की ओर से आ रही रोडवेज बस के चालक ने बस को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए सामने से महेश कुमार की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद महेश कुमार सड़क पर गिर पड़े और बस का टायर उनके



पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को सीएचसी किशनगढ़ बास भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम से महेश शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई अशोक कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि यह

हादसा रोडवेज बस चालक की घोर लापरवाही के कारण हुआ है। महेश कुमार के परिवार में 12 वर्षीय बेटी पूर्वी और 6 वर्षीय बेटा रक्षित हैं। चार वर्ष पूर्व उनकी पत्नी की ही मृत्यु हो चुकी थी। इस हादसे के बाद दोनों बच्चों के सिर के ऊपर से माता-पिता का साया उठ गया है। लोगों ने दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सांवलिया सेठ के भंडार से 1 0 करोड़ 25 लाख रुपए निकले

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया सेठ मंडफिया के दरबार का विशाल भंडार शनिवार चतुर्दशी को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव व अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं मंदिर की मुख्य

- भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल होना बाकी**

निष्पादन अधिकारी प्रभा गौतम की उपस्थिति में खोला गया।

मंदिर बोर्ड अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 10 करोड़ 25 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची राशि की गणना एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने-चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना भी शेष है।



सांवलिया सेठ मंडफिया के भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गईं। भंडार गिनती में मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, रामलाल गुर्जर, हरिराम गाडरी, किशनलाल अहीर, नायब तहसीलदार शिव शंकर

पारीक, लेखाधिकारी राजेंद्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भैरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, वरिष्ठ सहायक कालू लाल तेली, बिहारी लाल गुर्जर सहित मंदिर के कर्मचारी एवं बैंकों के कर्मचारी उपस्थित थे।

एसडीएम गरीबों को हक नहीं दिला पाए तो मैं जनवरी का वेतन नहीं लूंगा : कलैक्टर हसीजा

हर गरीब को खाद्य सुरक्षा का गँहू इसी माह मिले, बुजुर्गों-एकल नारियों की पेंशन न रुके, यह हमारा ध्येय : जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा

राजसमंद, (निसं)। प्रशासनिक हल्के में जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा का एक प्रण चर्चा का विषय बना हुआ है। सुशासन का संदेश देते हुए गरीब, बेसहारा और जरूरतमंद परिवारों को समय पर उनका हक दिलाने के लिए जिला कलैक्टर ने स्पष्ट शब्दों में सभी उपखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि पालनहार योजना, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण इसी माह अनिवार्य रूप से किया जाए। निरंतर सभी विकास अधिकारियों, तहसीलदार के माध्यम से समीक्षा की जाए और कोई भी पात्र वंचित न रहे।

जिला कलैक्टर हसीजा ने कहा कि जिन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका है, उनका पालनहार सत्यापन 28 जनवरी तक हर हाल में पूरा हो। जो बूढ़, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन के लिए तरस रहे हैं,

■ **जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके अधिकार नहीं दिला पाए तो वे स्वयं जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे**

■ **मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है**

■ **मुख्य सचिव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है**

उनका सत्यापन इसी माह हो और जो गरीब परिवार गेहूँ के इंतजार में हैं, उन्हें एनएफएसए का लाभ इसी माह मिलना चाहिए। जिला कलैक्टर ने दंडात्मक कार्रवाई के बजाय प्रेरणा, उत्साहवर्धन

और मार्गदर्शन के माध्यम से परिणाम लाने का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सभी एसडीएम इस माह गरीबों को उनके ये अधिकार नहीं दिला पाए, तो वे स्वयं

जनवरी माह का वेतन नहीं लेंगे।

अपने प्रण को व्यवहार में उतारते हुए जिला कलैक्टर ने कलेक्ट्रेट के लेखाधिकारी प्रवीण सिंह को निर्देश दिए कि उनका (कलैक्टर का) जनवरी माह का वेतन बिल तक तब नहीं बनाया जाए, जब तक सभी एसडीएम शत प्रतिशत सत्यापन का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं कर देंगे।

जिला कलैक्टर के इस संकल्प के बाद शनिवार के अवकाश के दिन भी जिले के सभी उपखंड अधिकारी और प्रशासनिक अमला पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित प्रकरणों के निस्तारण में जुट गया। इससे यह उम्मीद जगी है कि इसी माह इन सभी योजनाओं के लक्ष्य पूरे होंगे और पात्र गरीबों को उनका अधिकार मिलेगा।

यह पहल एक ऐसे संवेदनशील और जिम्मेदार अधिकारी का उदाहरण

है, जो अपने पद को नहीं, अपने कर्तव्य और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देता है। राजसमंद में जिला कलैक्टर का यह प्रण प्रशासनिक सेवा में जनकल्याण और नैतिक नेतृत्व की एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर सामने आया है।

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने राजसमंद जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा को फोन कर कहा कि सरकार की प्रत्येक योजना में राजसमंद की है प्रगति संतोषजनक है। उन्हें विश्वास है कि वे (जिला कलैक्टर) पालनहार, पेंशन सत्यापन और एनएफएसए के लंबित कार्य भी इस माह कर लेंगे पूर्ण, ऐसे में वेतन रोके जाने की आवश्यकता नहीं है।

जिला कलैक्टर अरुण कुमार हसीजा ने कहा कि मुख्य सचिव की सहदयता से हूँ अभिभूत, लक्ष्यों को समय पर पूरा करूँगे।

प्रदेश में प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक

■ **राजस्थान हाईकोर्ट ने आदेश में कहा कि असंतोष से बचने के लिए यह कदम जरूरी**

■ **आदेश वरिष्ठता सूची को लेकर दायर कई रिट याचिकाओं की सुनवाई के दौरान दिया गया**

■ **सरकार के अनुरोध पर कोर्ट ने सभी मामलों की अगली सुनवाई की तारीख 27 जनवरी तय की**

उत्पन्न असंतोष से बचने के लिए यह कदम जरूरी है। हाईकोर्ट ने यह भी याद दिलाया कि पहले जारी अंतरिम आदेशों (10 फरवरी 2025 और 8 अगस्त 2025) में स्पष्ट किया गया था कि सभी पदेन्रतियां और पोस्टिंग अंतिम फैसले के अधीन रहेंगी।

राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रिज्यू डीपीसी/डीपीसी

की पूरी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके बाद कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कार्डसॉलिंग के आधार पर प्रस्तावित तबादले अगली सुनवाई तक लागू नहीं होंगे। राज्य सरकार के अनुरोध पर कोर्ट ने सभी मामलों की अगली सुनवाई की तारीख 27 जनवरी 2026 तय की है।

राजस्थान में 25 हजार से ज्यादा शिक्षा अधिकारी हैं, जिनके प्रमोशन पर

इस आदेश का सीधा असर पड़ेगा। इस आदेश के बाद प्रदेशभर में हो रही प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की कार्डसॉलिंग पर एक बार रोक लग जाएगी। अब हाईकोर्ट में अगली सुनवाई के बाद ही शिक्षा विभाग प्रमोशन और पोस्टिंग कर सकेंगे। इस आदेश से पिछले दिनों हुए तबादलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग में अलग अलग विषयों के टीचर्स को प्रिंसिपल के रूप में प्रमोशन मिलता है। इससे प्रमोशन की वरिष्ठता पर असर पड़ता है। इसी कारण बड़ी संख्या में टीचर्स ने हाईकोर्ट में रिट दायर की थी। टीचर्स का कहना है कि एक साथ सभी विषयों का प्रमोशन नहीं होने के कारण वरिष्ठता प्रभावित होती है। ऐसे में हाईकोर्ट ने 9 याचिकाओं पर संयुक्त सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

पारिवारिक विवाद में युवक ने सुसाईड किया

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते घर में युवक ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार युवक की पत्नी विवाद की शिकायत करने को लेकर थाने पहुंची तो पीछे से पति ने फांसी का फंदा लगा लिया। नयापुरा थानाधिकरी विनोद कुमार ने बताया कि इलाके के बृजराज कोलानी निवासी महावीर सिंह राजावत की पत्नी पारिवारिक विवाद के चलते शुक्रवार को पति की शिकायत करने थाने आई, जिस पर पुलिसकर्मियों को

महिला के घर भेजा गया, तो महावीर सिंह राजावत (32) फांसी के फंदे पर लटका हुआ था, जिसे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक मोबाइल ऑपरेटिंग कंपनी में टेक्नीशियन के पद पर था, किसी बात को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था। थानाधिकारी ने बताया कि शनिवार को मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

चार माह से फरार चोर गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना पुलिस ने 4 महीने से फरार एक शातिर चोरी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वारदात के बाद से अपना नाम और ठिकाना बदलकर राजस्थान और गुजरात में भागता फिर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्त में लेकर चोरी का माल भी बरामद कर लिया है।

रामसागड़ा थानाधिकारी ने बताया कि गिरीश पुत्र प्रेमजी रोट निवासी

रातापानी की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। इसमें बताया कि 12 से 19 सितंबर के बीच उक्त चोर में चोरी की वारदात हुई। घर से सोने-चांदी के जेवर चुराकर ले गए। मामले में पुलिस ने छानबीन करते हुए आरोपी किरीट पुत्र शशीलाल खराडी निवासी नवाघरा गैँसी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली है। वहींजेवर भी जब्त कर लिए हैं।

दूसरी मंजिल से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिजनों ने आरोप लगाये

■ **पिता ने कहा कि जब हमने छात्रा की तबीयत खराब होने का हवाला देकर परिवार के एक सदस्य को उसके साथ रहने की गुजारिश की तो स्कूल स्टाफ ने मना कर दिया था**

■ **परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कठारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी**

था कि बच्ची एकदम ठीक है। पैंटस तीनों प्रैक्टिकल में साथ में रहे हैं। एग्जामिनर ने भी पूछा था कि बेटा तबीयत खराब तो नहीं है। तब बच्ची ने ऐसा कुछ नहीं बताया। वो बच्ची कैसे गिरी, क्या हुआ, मुझे कुछ पता नहीं है। मैं पहुंची तब तक उसे अस्पताल ले जाया जा चुका था। हमारी तरफ से परिवार के लिए संवेदनशील है।

श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना एसएचओ ने कहा कि 12वीं मेडिकल साइंस की छात्रा रमनदीप के स्कूल के दूसरे फ्लोर से गिरने के मामले में जांच

जारी है। परिजनों ने स्कूल के प्रिंसिपल कमलेश कठारिया, स्टाफ कृष्ण वर्मा और टीचर किरण के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी है। सीसीटीवी खंगाल रहे हैं। छात्रा के पिता विजय कुमार ने शिकायत में बताया कि रमनदीप को ऊंचाई से डर लगता था और वह छत पर भी नहीं जाती थी। उसकी तबीयत कई दिनों से खराब चल रही थी। 8 जनवरी को हमने स्कूल स्टाफ से रिक्वेस्ट की थी कि छात्रा के प्रैक्टिकल के दौरान परिवार के किसी सदस्य को साथ रहने

छीपाबडौद में आठ लाख का 93 किलो डोडा-चूरा जब्त

छीपाबडौद, (निसं)। पुलिस द्वारा मुखबि की सूचना पर आठ लाख की कीमत का 93 किलो मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा जब्त किया गया।

पुलिस अधीक्षक बारा अभिषेक अदाशु ने बताया कि जिले में अवैध शराब बिक्री, हथियार एवं मादक पदार्थों की रोकथाम के लिये चलाए जा रहे अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के निकटतम सुपरविज़ान में ताराचन्द वृताधिकारी वृत्त छावड़ी के निर्देशन में थानाधिकारी दिग्विजय सिंह पुलिस निरीक्षक मय जाब्बा के दीगोद खालसा पहुंचा, जहां पर मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम लाम्बाखेडा निवासी सोनू लोधा तस्करी का काम करता है, जिसने अपने मकान के पास के बाड़े में चारे में कोई संदिग्ध वस्तु छुपा रखी है, जिसमें कोई अवैध वस्तु हो सकती है। मुखबीर की सूचना विश्वसनीय होने से सूचना से हमराही जाब्बा को अवगत करवाकर थानाधिकारी मय जाब्बा रवाना होकर सोनू लोधा के घर के पास पहुंचा सोनू घर पर मौजूद नहीं मिला।

उसके बाद सोनू लोधा के मकान के पास के बाड़े से पहुंचा जहां पर मक्का की कड़ब पड़ी हुई है, कड़ब के नीचे सफेद कट्टे रखे हुये दिखाई



जब्त अफीम डोडा-चूरा को थाने में रखवाया।

दिये, इसके बाद मन थानाधिकारी दिग्विजय सिंह पुलिस निरीक्षक ने उक्त स्थान की तलाशी ली तो मक्का की कड़ब में छिपे हुए कुल सात प्लास्टिक के कट्टे किसी संदिग्ध वस्तु से भरे हुए मिले, जिनके मुँह सिले हुए थे, जिनका मुंह खोलकर देखा तो

प्रत्येक कट्टे में अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ था। सात प्लास्टिक के कट्टी को कब्जे में लेकर डोडा-चूरा का तोल किया अवैध मादक पदार्थ अफीम डोडा चूरा का वजन मय बारदाना के 93.130 किलोग्राम हुआ, जिसे जब्त किया गया।

विद्युत विभाग के ठेकाकर्मी की मौत, परिजनों व ग्रामीणों ने धरना दिया

मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 50 लाख एवं एक जने को संविदा पर नौकरी देने की मांग की

■ **विद्युत विभाग में कार्यरत ठेकाकर्मी की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत का मामला**

■ **पुलिस व तहसीलदार द्वारा समझाईश पर मामला शांत हुआ**

पहुंची बाद में सांगोद तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन व धरना

देकर बैठे लोगों से समझाइश की, काफी समझाइश के बाद कुछ मांगों पर सहमत होने के बाद धरने को समाप्त किया गया। जानकारी के अनुसार हेमंत कुमार सुमन बिजली विभाग में ठेके पर एफआरटी में काम करता था। चार जनवरी को थाने के सामने वाले पोल पर चढ़कर फॉल्ट को सही कर रहा था, उसी समय अचानक से लाईट की सप्लाई चालू कर दी गई, जिससे पोल पर चढ़कर काम कर रहा हेमंत झुलस गया और वह खंभे से नीचे गिरकर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां

उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि बिजली विभाग में कार्यरत ठेकाकर्मी हेमंत कुमार सुमन कुछ दिन पूर्व काम के दौरान करंट लगने से झुलस गया था, जिसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। ग्रामीणों व परिजनों ने आर्थिक मदद सहित अन्य मांगों को लेकर बपावर कलां में विद्युत कार्यलय के बाहर धरना दिया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस व तहसीलदार द्वारा समझाईश कर मांगों पर कुछ सहमति बनने के बाद मामला शांत हुआ।

12 साल पुराने मामले में तस्कर को दो साल की सजा

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 12 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 2 वर्ष का कठोर कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

राजस्थान सरकार की ओर से पैरवी के लिए नियुक्त गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने बताया कि 25 अप्रेल 2014 को पुलिस थाना डांगियावास के तत्कालीन थानाधिकारी हरजीराम अपने पुलिस जाब्बा के साथ वाहन चैकिंग के लिए जा रहे थे तो कोकुंडा गांव के पास पुलिस को देखकर एक मोटरसाइकिल के पीछे बैठकर जा रहे हमीरराम ने अपनी जेब से निकालकर अफीम की थैली नीचे फेंक दी। पुलिस ने उस 100 ग्राम अफीम की थैली को बरामद कर मोटरसाइकिल चालक गिरफ्तार और पीछे बैठे हमीरराम को गिरफ्तार किया था। बाद अनुसंधान आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक

अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उत्तरोत्तर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों के अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की वजह से आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग की जबकि

आरोपी ने नरमी बरतने का आग्रह किया। विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत कुल 9 गवाह, 29 दस्तावेजी साक्ष्य और 3 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त हमीरराम पुत्र लाभुराम जाट निवासी सूरपुर कला पुलिस थाना कड़वड़, जोधपुर को दोषी ठहराते हुए 2 सजा सुनाई।

फर्जी अधिकारी बन घूम रहा युवक गिरफ्तार

कोट, (निसं)। नयापुरा इलाके में

आर्मी की ड्रेस पहनकर अपने आपको

लॉरेंस गैंग का खास गुर्गा रितिक बॉक्सर अजमेर जेल से गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन, आमजन को डराने के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस के खास गुर्गे रितिक बॉक्सर को गिरफ्तार किया है। उसे अजमेर की हाई सिक्वोरिटी जेल से प्रॉडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाया और कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

नयाशहर पुलिस थाने में 9 मार्च, 2023 को टैक्स, जीएसटी का काम करने वाले वकील को धमकाकर 4 लाख रुपए मांगने और 40,000 रुपए हासिल करने का मुकदमा दर्ज किया गया था। फिरती की रकम गैंगस्टर लॉरेंस के खास रितिक बॉक्सर के लिए मांगी गई थी। इस मामले की छानबीन में पुलिस सोशल मीडिया हथियारों के प्रदर्शन और गैंग से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली तो एक अन्य एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें रितिक बॉक्सर और नीरज यादव को नामजद किया गया। पुलिस ने नीरज को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था और रितिक

■ **रितिक बॉक्सर को अजमेर हाई सिक्वोरिटी जेल से बीकानेर लाई पुलिस**

मुकदमे है। जयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, हरियाणा के पुलिस थानों में उसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

गलत कमेंट करने पर केस दर्ज : जोधपुर में एक महिला कॉस्टेबल की फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट किए जाने का पुलिस में दर्ज हुआ है। पुलिस ने अदालत से मिले इस्तगाम पर आईटी एन्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस इस बारे में अंतिम जांच में जुटी है। मंडोर पुलिस ने बताया कि एक महिला कॉस्टेबल ने कोर्ट में इस्तगामे के जरिए केस दर्ज कराया है। इसका आरोप है कि किसी ने उसकी फोटो पर आपत्तिजनक कमेंट कर मैसेज डाले हैं। मैसेज क्या थे और किस नंबर से आए थे इसका खुलासा रिपोर्ट में नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार महिला कॉस्टेबल उदयपुर से यहां पर ट्रेनिंग करने आई थीं, तब की घटना हो सकती है। फिलहाल इसमें अब पड़ताल की जा रही है।



शतरंज : जयपुर के ओजस जोशी ने टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता



जयपुर, 17 जनवरी। पिंग सिटी के युवा शतरंज खिलाड़ी ओजस जोशी, जो कि पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय क्रांकां 4 के छात्र हैं, ने रांची में आयोजित –14 शतरंज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में ओजस जोशी की कप्तानी में केंद्रीय विद्यालय संगठन को टीम ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय, जिला एवं राज्य का नाम रोशन किया। ओजस जोशी के जयपुर आमनन पर जिला शतरंज संघ एवं पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 खेलों में 323 सहायक कोच पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किये

नई दिल्ली, 17 जनवरी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने 26 खेलों में 323 सहायक कोच पदों की खाली जगहों को भरने के लिए योग्य भारतीय नागरिकों से आवेदन मांगे हैं। इन सहायक कोचों को देश भर के अलग-अलग क्षेत्रीय और नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस या प्रशिक्षण केंद्रों पर नियुक्त किया जायेगा।



प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ विकास कार्यों को दें गति, कोताही बरतने पर हो सख्त कार्रवाई: मुख्यमंत्री राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित, लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित हुई। इस दौरान उन्होंने लगभग 2 हजार करोड़ रुपये की 7 परियोजनाओं और 2 योजनाओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं एवं योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने आमजन की परिवेदनाओं पर अधिकारियों से फीडबैक लेते हुए उन्हें राहत पहुंचाई।

शर्मा ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि आमजन की परिवेदनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उनका समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। लंबित परिवारों के निस्तारण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजकीय विभागों और कार्यालयों में आमजन के कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कार्यालय में राज उन्नित की प्रथम बैठक आयोजित हुई।

जवाबदेहिता के साथ विकास कार्यों को समय पर पूरा किया जाए। परियोजनाओं एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही बरतने पर लापरवाह अधिकारियों और कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विभाग बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए परियोजनाओं को गति प्रदान करें, जिससे लागत में वृद्धि न हो और लक्षित को राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के चयनित परिवारियों से उनके परिवार निस्तारण पर फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं का केन्द्र बिंदु है। अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ राजकीय दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि शासन सचिव, संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर राजस्थान सम्पर्क

हेल्पलाइन पर प्राप्त परिवारों का नियमित सत्यापन करें। श्री शर्मा ने मुख्य सचिव को अधिकारियों के लिए सत्यापन के प्रकरणों की सीमा तय करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान परिवारियों ने मुख्यमंत्री को राजस्थान सम्पर्क हेल्पलाइन के प्रभावी संचालन के लिए धन्यवाद दिया।शर्मा ने जिला कलक्टरों को विकास कार्यों में आवश्यक भू-

■ परिवारियों से लिया फीडबैक, आमजन को मिली राहत

आवंटन पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के बाद शीघ्र निविदा जारी कर कार्य प्रारंभ किया जाए। जिन स्थानों पर न्यूनतम मापदंडों के अनुरूप भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां चरणबद्ध रूप से क्रियान्वित की जाए। उन्होंने जिला कलक्टरों एवं सचिवों को प्रोएक्टिव एप्रोच के साथ प्रकरणों के निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने पीएम सूर्यघर 150 यूनिट मुफ्त बिजली योजना में अपेक्षित गति लाने के उद्देश्य से केशलेस वैकल्पिक मॉडल पर शीघ्र कार्य करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग एवं जिला कलक्टरों साईईसी गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर उपभोक्ताओं को फ्लूटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

रीट परीक्षा केंद्र के बाहर अभ्यार्थी को कार ने मारी जोरदार टक्कर

जयपुर(निसं)।गोनेर रोड से सोडाला आई रीट की परीक्षा देने आई अभ्यर्थी को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे रीट अभ्यर्थी प्रियंका घायल हो गई। राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से उसे सवाई मानसिंह अस्पताल भिजवाया। जहां पर उसका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि प्रियंका के पिता की मौत हो चुकी है और वो घर में अकेली कमाने वाली है।

ऐसे में यह कहना कि इन नंबरों को नीलाम कर सैकड़ों करोड़ों रुपए की आय होती, अपने आप में कात्पनिक है। इसके अलावा याचिकाकर्ता पक्ष जाने उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

अमन मोखाड़े

24 साल के विदर्भ के ओपनर अमन मोखाड़े के लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले भारतीय बनने का इतिहास रचने के बाद क्रिकेट की दुनिया में हलचल मच गई है। सिर्फ 16 इनिंग्स में यह उपलब्धि हासिल करते हुए, मोखाड़े ने देवदत्त पडिक्कल और अभिनव मुकुंद के 17

क्या आप जानते हैं ? ... एक टेस्ट मैच में 19 विकेट लेकर जिम लेकर ने अपने नाम विश्व रिकॉर्ड वर्षों पहले दर्ज किया था। जो आज तक कोई भी गेंदबाज नहीं तोड़ सका है।

इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली, जिससे न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट फैंस में उत्साह पैदा हो गया।

इनिंग्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। उनकी इस उपलब्धि ने साउथ अफ्रीकी लीजेंड ग्रीम पोलक के लंबे समय से चले आ रहे वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली, जिससे न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर के क्रिकेट फैंस में उत्साह पैदा हो गया।

यूपी वॉरियर्ज ने मुंबई इंडियंस को 22 रनों से हराया

नवी मुम्बई 17 जनवरी। कप्तान मेग लानिंग (70) और फीबी लिचफील्ड (61) की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत यूपी वॉरियर्ज महिला टीम ने शनिवार को विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 10वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 22 रनों से जीत दर्ज की। 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने यूपी वॉरियर्ज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 69 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गंवा दिये। सजीवन सजना (10), हेली मैथ्यूज (13), नेट साइवर ब्रंट (15), निकोला कैरी (छह) और कप्तान हरमनप्रीत कौर 18 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद एमेलिया केर और अमनजोत कौर ने पारी को संभलाने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 83 रनों का साझेदारी हुई। 19वें ओवर में शिखा पांडे ने अमनजोत कौर 24 गेंदों में 41 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मुम्बई इंडियंस की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी और 22 रनों से मुकाबला हार गई। एमेलिया केर 28 गेंदों में 49 रन बनाकर नाबाद रही। जी कर्मालिनी ने नाबाद रन न बनाये। यूपी वॉरियर्ज के लिए शिखा पांडे ने दो विकेट लिये। क्रांति गौड़, सोफी एकल्स्टन, दीपि शर्मा और क्लोई ट्राइऑन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां इससे पहले यूपी वॉरियर्ज ने आठ विकेट पर 187 रनों का स्कोर खड़ा किया। मुंबई इंडियंस महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में किरण नवगिरे (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी फीबी लिचफील्ड ने मेग लानिंग के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरीं। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में अमनजोत कौर ने फीबी लिचफील्ड को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। फीबी लिचफील्ड ने 37 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 61 रन बनाये।अगले ही ओवर में हेली मैथ्यूज ने मेग लानिंग को अपना शिकार बना लिया। मेग लानिंग ने 45 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के लगाते हुए 70 रनों की पारी खेली। मुम्बई इंडियंस के गेंदबाजों ने आखिरी दो ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए यूपी वॉरियर्ज को रन बनाने से रोका और विकेट भी झटके। हरलीन देओल ने 16 गेंदों में (25) और क्लोई ट्राइऑन ने 13 गेंदों में 21 रन बनाये। श्वेता सहरावत (शून्य) और सोफी एकल्स्टन (एक) रन बनाकर आउट हुयीं। पारी की आखिरी गेंद पर एमेलिया केर ने दीपि शर्मा (शून्य) को आउटकर 187 रन के स्कोर पर मुम्बई इंडियंस के लिए आठवां विकेट झटक। मुम्बई इंडियंस के लिए एमेलिया केर को तीन विकेट मिले। नेट साइवर ब्रंट को दो विकेट मिले। निकोला कैरी, हेली मैथ्यूज और अमनजोत कौर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पुरुष 75 वर्ग : अशोक जिंदल और धवल पटेल अगले राउंड में

जयपुर, 17 जनवरी। 17 से 21 जनवरी तक जय क्लब जयपुर में आयोजित ओ.एन. दीक्षित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टरस एमटी-400 टूर्नामेंट में विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले खेले गए। टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मंसू 75 वर्ग में अशोक जिंदल ने सुरेश बजोरिया को कड़े मुकाबले में 6–3, 6–4 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया।

जयपुर, 17 जनवरी। आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्वकप में शनिवार को श्रीलंका के विरन चामुदिथा ने 192 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलकर टूर्नामेंट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गये है। आज यहां चामुदिथा अंडर-19 विश्वकप 2026 के अपने पहले मैच में जापान के खिलाफ 192 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपने हमवतन हंसिथ बोयागोडा के 2018 टूर्नामेंट में केन्या के खिलाफ 191 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा, इससे पहले उन्हें टिमोथी मूर ने आउट किया था। उन्होंने अपनी पारी में 26 चौके और एक छक्का लगाया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार चामुदिथा ने एक और ऐतिहासिक कारनामा किया है। उन्होंने दीमंथा महाविथान के साथ 328 रन की ओपनिंग साझेदारी की जो कि टूर्नामेंट के इतिहास में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इस बड़ी ओपनिंग साझेदारी की मदद से श्रीलंका ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में जापान की अंडर-19 को जीत के लिए 388 रनों का लक्ष्य दिया।



अंश कुमार की इंटरैक्टिव आर्ट इंस्टॉलेशन ने साहित्य प्रेमियों का खींचा ध्यान

जयपुर, (निसं)। गुलाबी नगरी में जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में इस बार शब्दों और किताबों के साथ-साथ आर्ट भी लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। शहर में जल्द होने जा रहे जयपुर आर्ट वीक की ओर से कार्यक्रम के बीचों-बीच एक आर्ट इंस्टॉलेशन लगाया गया है। कलाकार अंश कुमार की कला स्थापना ‘ताक-झॉक 01’ साहित्य समारोह के मेहमानों के साथ इंटरैक्ट करती नजर आई। 12.5.5.3 फीट के इस आर्ट इंस्टॉलेशन को स्टैनेसन स्टील, दर्पण, एल्यूमिनियम और रंग-बिरंगे कौंच से तैयार किया गया है। कृति में लगे दर्पण के टुकड़े मिलकर कैलिडोस्कोप जैसे रंग-बिरंगे और बदलते पैटर्न बनाते हैं। इसे तैयार करने के पीछे का उद्देश्य बताते हुए आर्टिस्ट अंश कुमार ने कहा कि इस कृति के जरिए उन्होंने यह संदेश

- 27 जनवरी से 3 फरवरी तक पूरा शहर बनेगा आपन आर्ट गैलरी, सना रेज़वान की पहल
- जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में कला की ‘ताक-झॉक’, जयपुर आर्ट वीक का खास प्रीव्यू

देने का प्रयास किया है कि नई सोच अपनाने के लिए पुराने ढर्रे से बाहर आना जरूरी है। इस कृति को जीवंत करने के लिए किसी बड़ी कोशिश की जरूरत नहीं होती-हल्की हवा, जिज्ञासा से किया गया

स्पर्थ या पवनचक्की पर फूँक भर ही इसे चलाने के लिए काफी है। यह सरलता और खेल-भावना दर्शकों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करती है। इस कला स्थापना को मनोज गोम सागर और राहुल की टीम ने साकार किया है, जबकि इसका क्यूरेटोरियल लेख क्लाॅडिया स्टोलेरु ने लिखा है।

जयपुर आर्ट वीक की संस्थापक एवं चेयरपर्सन सना रेज़वान की यह कोशिश है कि कला को गैलरी और बंद जगहों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचया जाए और भारत सहित दुनिया भर के उभरते व स्थापित कलाकारों को एक साझा मंच मिले। 27 जनवरी से 3 फरवरी तक पूरा शहर एक आपन आर्ट गैलरी के रूप में सजेगा, जहाँ विभिन्न स्थानों पर आर्ट इंस्टॉलेशन लगाए जाएंगे।

सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और सामूहिक जीवन-दर्शन भारत की ताकत : मंजू शर्मा

जयपुर (निसं)। आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराएं और सामूहिक जीवन-दर्शन भारत की ताकत हैं। आज आवश्यकता है कि आदिवासी

- आदिवासी युवाओं को शिक्षा व तकनीक से जोड़कर सशक्त बनाये : मंजू शर्मा
- केंद्र सरकार की योजनाओं ने आदिवासी युवाओं में नया आत्मविश्वास पैदा किया है : मंजू शर्मा

युवाओं को शिक्षा, तकनीक और नेतृत्व के अवसरों से जोड़ते हुए उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया जाए। यह विचार सांसद मंजू शर्मा ने अमिटी विश्वविद्यालय में 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम” में व्यक्त किए।

केंद्र सरकार के मा्य भारत केन्द्र, जयपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विभिन्न राज्यों के



सांसद मंजू शर्मा ने अमिटी विश्वविद्यालय में 17वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम” में शिरकत की।

आदिवासी युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और जीवनशैली को समझने का अवसर मिलता है। इससे न केवल आपसी संवाद मजबूत होता है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता को भावनाओं की भी प्रबल होती है।

मंजू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासी समाज के लिए विशेष रूप से योजनाएँ तैयार की गई हैं।उन्होंने एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, वनबंधु कल्याण योजना, पीएम जनजाति विकास मिशन, रिकल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया

जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे आदिवासी युवाओं को शिक्षा के क्षेत्रीय निदेशक कृष्ण लाल पारचा, उप निदेशक (राजस्थान) ऋतु रानी , एमिटी कुलपति प्रो. अमित जैन , जिला युवा अधिकारी पंकज यादव सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।



